

प्रथम

श्री पी. एस. गुसाई

अपर सचिव

उत्तराखण्ड शासन।

सेवा में

मुख्य अभियन्ता

ग्रामीण अभियन्त्रण सेवा विभाग

उत्तराखण्ड देहरादून।

व्यवस्थापक एवं ग्रा. अभि. सेवा अनुभाग-2 देहरादून दिनांक 25 जनवरी, 2010

विषय- वित्तीय वर्ष 2009-10 के लिए प्रथम अनुपूरक अनुदानों की स्वीकृति।

महोदय,

उपरोक्त विषयक शासनादेश संख्या 515/XXVII(1)/2009 दिनांक 28 जुलाई, 2009 एवं शासनादेश संख्या 517/XXVII(1)/2009 दिनांक 28 जुलाई, 2009 तथा शासनादेश संख्या 181/XII/2009/83(01)/2000-TC-II दिनांक 6-7-2009 एवं शासनादेश संख्या 287/XII/2009/83(01)/2000-TC-II दिनांक 31-7-2009 के क्रम में मुझे यह कहने का निर्देश हुआ है कि ग्रामीण अभियन्त्रण सेवा विभाग उत्तराखण्ड देहरादून हेतु प्रथम अनुपूरक माँग एवं तत्सम्बन्धी विनियोग अधिनियम 2009 द्वारा पारित होने के पारित्वकाल आगोजनेतर पक्ष की बचतबद्ध मद 01-वैतन में रुपये 2,00,00,000.00 (दो करोड़ मात्र) की धनराशि आपके नियंत्रण पर रखते हुए नियमानुसार व्यय किये जाने की श्री राजभाषालय महोदय निम्नलिखित/प्रतिबन्धों के अधीन सह्य स्वीकृति प्रदान करते हैं।

1. अवमुक्त की जा रही धनराशि की सीमा तक ही व्यय किया जाय। अवमुक्त की जा रही धनराशि से अधिक आहरण के लिए सम्बन्धित आहरण वितरण अधिकारी पूर्णरूप से उत्तरदायी होंगे।

2. नियंत्रण पर रखी जा रही धनराशि की मुख्य अभियन्ता, ग्रामीण अभियन्त्रण सेवा विभाग उत्तराखण्ड देहरादून द्वारा अदित्य कर धनराशि सम्बन्धित आहरण वितरण अधिकारियों के नियंत्रण पर नियमानुसार व्यय हेतु रखा जाना सुनिश्चित करेंगे।

3. आगोजनेतर पक्ष की अन्य महो/शीर्षकों के अन्तर्गत वित्तीय स्वीकृति की निर्गत करने एवं निर्वाहन पर रखे जाने से पूर्व वित्त विभाग की सहमति प्राप्त की जाना आवश्यक होगी।

4. बिना वित्त विभाग की सहमति के किसी स्तर से किसी भी प्रकार के पुनर्विनियोग पर पूर्ण प्रतिबन्ध है तथा पूँजीगत पक्ष से राजस्व पक्ष में तथा राजस्व पक्ष से पूँजीगत पक्ष में भी पुनर्विनियोग प्रतिबन्धित है।

5. व्यय करने से पूर्व जिन मामलों में बजट मैन्युअल, वित्तीय हस्तपुस्तिका के नियम उत्तराखण्ड प्रोविजोरमेंट रूलर्स 2008 तथा अन्य स्थायी आदेशों के अन्तर्गत शासकीय तथा अन्य सक्षम प्राधिकारों की स्वीकृति की आवश्यकता हो, उनमें व्यय करने से पहले ऐसी स्वीकृति अवश्य प्राप्त कर ली जाय।

6. वित्तीय स्वीकृतियों के समय से व्यय के लिए अनुमरण की नियमित व्यवस्था सुनिश्चित की जाय और यदि मामले में तैनातिक व्यय दृष्टिगोचर हो तो उसे वित्त विभाग के लक्ष्मण में जमा जाय। बी०एम०-13 पर निर्दिष्ट रूप से सूचना प्रत्येक माह की 05 तारीख तक उपलब्ध करायी जाय।

7. जो वित्त कोषाधिकारी जो भुगतान हेतु प्रस्तुत किये जायें, उनमें स्पष्ट रूप से लेखाशोधक के साथ सम्बन्धित अनुदान संख्या का उल्लेख अवश्य किया जाय।

8. बजट नियंत्रक अधिकारी बी० एम०-17 पर आबंटन सम्बन्धी विवरण तथा आबंटन आदेश हेतु निर्धारित प्रारूप पर आहरण-वितरण अधिकारियों को बजट आबंटन तथा जिस अधिकारी का नमूना हस्ताक्षर समस्त कोषागारों में परिचालित हो, के हस्ताक्षर के अनुदान के अधीन आयोजनेतर की धनराशि द्वारा पूर्व निर्गत शासनवादेश के क्रम में जारी करेंगे। अन्यथा कोषागार द्वारा भुगतान नहीं किया जायेगा। जिसके लिए सम्बन्धित उत्तरदायी होंगे।

9. विभाग में स्वीकृतियों का रजिस्टर रखा जाय और प्रत्येक माह की स्वीकृत/व्यय सम्बन्धी सूचना अद्यतन करते हुए तत्सम्बन्धी आरुद्रा निर्धारित प्रपत्रों पर शासनवादेशों की प्रतियाँ संश्लिष्ट वित्त एवं नियोजन विभाग के साथ प्रशासकीय विभाग को उपलब्ध करावेगे।

10. प्रत्येक माह विभागध्यक्ष द्वारा आहरण-वितरण अधिकारियों तथा कोषाधिकारियों को अनुमति धनराशियों का विवरण निर्धारित प्रपत्र बी०एम०-17 पर उपलब्ध कराया जाना सुनिश्चित किया जाय।

11. मितव्ययिता के सम्बन्ध में समय-समय पर जारी शासनवादेशों का अनुपालन सुनिश्चित किया जाय।

12. निर्धारण पर रखी जा रही धनराशि का उपयोग दिनांक 31-3-2010 तक करते हुए अप्रयुक्त अवशेष धनराशि को समयान्तर्गत समर्पित किया जाना सुनिश्चित किया जाय।

2. इस सम्बन्ध में होने वाला व्यय प्रथम अनुपूर्वक अनुदान के महत्त्व से इतनेमन वित्तीय वर्ष 2009-10 के आय-व्ययक के आयोजनेतर पक्ष की अनुदान संख्या -19 के अधीन लेखा शीर्षक 2515-अन्य विकास कार्यक्रम आयोजनेतर-008 अन्य व्यय -03-ग्रामीण अभियन्त्रण सेवा की भानक मद 01-वेतन में प्राविधानित धनराशि रु० 20000 हजार प्रथमगत बचनबद्ध मद के नाम से छासा जायेगा।

4. यह आदेश वित्त विभाग के आश्रयस्थ संख्या 05/XXVII(1)/2010 दिनांक 07 जनवरी, 2010 में प्राप्त उनकी सहमति से जारी किया जा रहा है।

भवदीय

(डा० पी० एम० गुसाई)

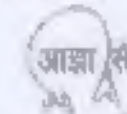
अपर सचिव।

संख्या 15 (1)/XII/2010/83(33)/2009 तद्विनिर्दिष्ट।

प्रतिनिधि निम्नलिखित की आवश्यक कार्यवाही एवं सूचनाएँ प्रेषित-

1. महालेखाकार उत्तराखण्ड ओबेरॉय भवन सहारनपुर मजरा देहरादून।

2. समस्त वरिष्ठ कोषाधिकारी/कोषाधिकारी, उत्तराखण्ड।
3. समस्त जिलाधिकारी, उत्तराखण्ड।
4. निर्देशक कोषागार एवं वित्त डेपुटी, उत्तराखण्ड, 23 लक्ष्मी रोड देहरादून।
5. निर्देशक, राष्ट्रीय सूचना केंद्र उत्तराखण्ड देहरादून।
6. निजी सचिव, मुख्य सचिव उत्तराखण्ड शासन की मुख्य सचिव महोदय के अध्यक्षकनार्थ।
7. वित्त व्यवसाय नियंत्रण अनुभाग-4 उत्तराखण्ड शासन।
8. बजट राजकोषीय नियोजन एवं संसाधन सचिवालय देहरादून।
9. गार्ड फाईल।


 (आर० पी० कुमारी)
 संयुक्त सचिव।
 1/2